an>

Title: Regarding statutory resolution regarding disapproval of Negotiable Instruments (Amendment) Second Ordinance, 2015 and Negotiable Instruments (Amendment) Bill, 2015.

HON. SPEAKER: Now, we shall take up Item Nos. 17 and 18 together.

Hon. Members, as you are aware, the Negotiable Instruments (Amendment) Bill, 2015 was passed by Lok Sabha on 6th August, 2015 and laid on the Table of Rajya Sabha on 7th August, 2015. The Bill, however, could not be passed by Rajya Sabha during the last Session. Subsequently, an Ordinance, namely, the Negotiable Instruments (Amendment) Second Ordinance, 2015 was promulgated by the President on 22nd September, 2015. Rajya Sabha on 7th December, 2015 has returned the Bill, as passed by Lok Sabha, with some amendments.

Since the House has already approved the provisions of the Negotiable Instruments (Amendment) Bill, 2015 on 6th August, 2015, it will not be permissible now to go into the merits of the Bill again and the discussion should be confined to the amendments made by Rajya Sabha. The discussion on the Statutory Resolution should also be confined strictly to the issue of promulgation of the Ordinance.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह बिल बहुत छोटा सा है, इसलिए पहले इसे ले लेते हैं, फिर जीरो ऑवर लेंगे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जो वैल में खड़े हैं, उनकी बात नहीं सुनी जाती।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Yes, Kharge ji.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह ऐसे ही थोड़े होता है?

â€¦(व्यवधान)

12.14 hours

(At this stage, Shri K.C. Venugopal and some other hon. Members went back to their seats.)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, ऐसा ही हो रहा है। ...(व्यवधान)आप जानती हैं कि हमने कल भी यह इश्यू उठाया था कि, extremely objectionable, derogatory and defamatory language used by Shri Virendra Singh (Bhadohi) imputing direct and personal insults to the entire Parliamentary system, our democracy and our former Prime Ministers. यह सब होने के बावजूद आपने कहा कि उन्होंने जो कहा, वह गलत है और इसके लिए हमारा कोई एप्रूवल नहीं है। मिनिस्टर ने भी यह कहा कि उन्होंने जो कहा, वह गलत है। उसके बावजूद भी उन्होंने इस सदन में अपोलॉजी भी नहीं मांगी और न ही आपने उन्हें सस्पेंड करने की कोशिश की। ...(व्यवधान) अगर इस मैम्बर को ऐसे ही छोड़ देंगे, तो वे ऐसे ही बात करते रहेंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बार-बार एक ही इश्यू मत उठाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उन्होंने आज फिर स्टेटमैंट दिया है और कन्फर्म किया है। ...(व्यवधान)

उन्होंने कहा है कि मैं ऐसे ही कहने वाला हूं, कोई कुछ भी कर ले, मेरी यह आदत है। यह उन्होंने कहा है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रोज-रोज एक ही बात कहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : रोज-रोज एक बात नहीं है।...(व्यवधान) अगर ऐसे ही रहा, एटीट्यूड यही रहा और हमें आपकी तरफ से कोई संरक्षण नहीं मिला, हमारे नेताओं के खिलाफ अगर ऐसी बातें करते रहे, ऐसी गंदी बात करते रहे...(व्यवधान) अपने आपको श्रेष्ठ मानते हैं, जो कुछ वे कर रहे हैं, वह बहुत अच्छा है, यह कहते हैं।...(व्यवधान) आप उनको सस्पेंड कीजिए। ...* लिए कहिए। ...(व्यवधान) अगर ऐसा नहीं है तो हमारे पास कोई रास्ता नहीं है। ...* कर रही है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं, कोई नहीं कर रही है। No. I am sorry.

...(*Interruptions*)

मल्लिकार्जुन खड़गे : वह बार-बार बात कर रहे हैं। इतने मिनिस्टर्स बात करते हैं, प्रधानमंत्री जी चुप हैं।...(व्यवधान) मैम्बर्स बात करते हैं फिर भी चुप हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रोज बार-बार एक ही बात करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपका माइक बंद हो जाएगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सारी बातों पर वह चुप हैं। इसका मतलब है कि *...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह गलत बात है, यह रिकार्ड में नहीं जाएगी।

â€¦(व्यवधान) ...*

माननीय अध्यक्ष : गवर्नमेंट सपोर्ट नहीं कर रही है। कल मिनिस्टर ने खुद कहा है: "We do not support."

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : बार-बार एक ही बात कह रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आपका माइक बंद है।

â€¦(व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): माननीय अध्यक्ष जी, मैं कुछ कहना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : इस पर चर्चा नहीं करनी है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सुदीप जी, कुछ कह रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, it is my repeated appeal that if one apology is enough to run the House, why is it not going to be made? Let one apology be made over here; let the House run smoothly. It is your intention that the House should run smoothly. I believe it that the House should run smoothly. Mr. Khargeji is there. For the last three to four days, this matter is being raised and the House is not being allowed to run properly. We have become part of it, no doubt. But why is this man getting support from the Government?.. (*Interruptions*) Why is it happening?...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप गारंटी ले रहे हैं कि ये और कोई इश्यु नहीं लाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : It is my submission..

माननीय अध्यक्ष : रोज कुछ भी इश्यु आ जाता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय : एक एपोलॉजी में हाउस चलेगा।

HON. SPEAKER: I do not know.

...(*Interruptions*)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय : आप पहले एपोलॉजी के लिए कहिए फिर देखिए हाउस चलता है कि नहीं?...(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी: माननीय अध्यक्ष जी, 543 सदस्य हैं, सब सदस्यों का अपना अधिकार है, विपक्ष में बैठे लोगों का भी अधिकार है, हमारा भी अधिकार है, सदस्यों का अधिकार है।...(व्यवधान) आपके समक्ष निरंतर सदन के भीतर आकर शोरशराबा करके कांग्रेस के मित्र वाकआउट करते हैं।...(व्यवधान) अपनी बात रखकर चले जाते हैं। यह दोहरी नीति है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं किसी को कम्पैल नहीं कर सकती। सौगत राय जी, आप जानते हैं। I cannot compel anybody.

...(*Interruptions*)

श्री राजीव प्रताप रूडी: उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ सदन के बीच में आकर नारेबाजी की है। इसके बाद भी हम धैर्य के साथ सब बातें सुनते रहते हैं।...(व्यवधान) आज माननीय सदस्य के बारे में जो बात कही गई है, आपने निर्णय लिया है, जो कुछ उन्होंने कहा, आपने बाहर निकाल दिया। लेकिन बहाना बनाकर सदन की कार्यवाही बाधित करना अनुचित है।...(व्यवधान)

12.18 hours

(Then, Shri Mallikarjun Kharge and some other

hon. Members left he House)